अक्टूबर 2019

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31
1. अमृतवेले का योग शक्तिशाली रहा?																															
2. स्वमान के स्मृति स्वरूप रहे?																															
3. कर्म करते हुए योगयुक्त स्थिति रही ?																															
4. व्यर्थ चिन्तन से मुक्त सदा समर्थ रहे?																															
5. रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया?																															

बाप समान बनने के लिए मुख्य आठ धारणाएं :-

1. ब्रह्मा बाप समान साक्षी होकर निरंतर सकाश देंगे। 2. बेहद के वैरागी। 3. बेफिकर बादशाह। 4. बेहद की आत्मिक दृष्टि।

5. निराकारी, निरंहकारी, निर्विकारी। 6. सर्वन्श त्यागी। 7. उपराम और नष्टोमोहा। 8. ब्रह्मा बाप समान प्योरिटी की पर्सनालिटी।

बेहद के वैराग के लिए सदा स्मृति रहे - यह संसार असार है, देह मिटटी है, सुख साधना में है न कि विनाशी साधनों में.....।

1. मैं सर्व शक्तियों से सम्पन्न जागती ज्योति हूं।
2. मैं आत्मा पुरानी दुनिया व पुराने देह में मेहमान हूं।
3. मैं स्वराज्य अधिकारी शक्तिशाली आत्मा हूं।
4. मैं आत्मा मास्टर सर्वशक्तिवान हूं।
5. मैं परम पवित्र आत्मा हूं।
6. मैं आत्मा पवित्रता का सूर्य हूं।
7. मैं आत्मा मास्टर बीजरूप हूं।
8. मैं मास्टर दुःखहर्ता, सुखकर्ता आत्मा हूं।
9. मैं बाप समान विश्व कल्याणकारी आत्मा हूं।
10. मैं आत्मा लाइट हाउस, माइट हाउस हूं।
11. मैं आत्मा न्यारी-प्यारी, साक्षीद्रष्टा हूं।
12. मैं परमधाम निवासी श्रेष्ठ आत्मा हूं।
13. मैं आत्मा मास्टर भाग्यविधाता हूं।
14. मैं आत्मा खुशी का देवता/देवी हूं।
15. मैं सदा सन्तुष्ट रहने वाली सन्तुष्टमणि हूं।
16. मैं कल्प-कल्प की विजयी रतन आत्मा हूं।
17. मैं शुभ भावना, शुभ कामना संपन्न आत्मा हूं।
18. मैं परमात्म प्यार की अनुभवीमूर्त आत्मा हूं।
19. मैं आत्मा बाप समान वरदानीमूर्त हूं।
20. मैं आत्मा आधारमूर्त, उद्धारमूर्त हूं।
21. मैं आत्मा मास्टर शान्ति का सागर हूं।
22. मैं आत्मा मास्टर क्षमा का सागर हूं।
23. मैं देव कुल की महान आत्मा हूं।
24. मैं विघ्नविनाशक आत्मा हूं।
25. मैं पूर्वज व पूज्य आत्मा हूं।
26. मैं बाप समान सदा जागती ज्योति हूं।
27. मैं शान्तिधाम निवासी शान्तस्वरूप आत्मा हूं।
28. मैं स्वदर्शनचक्रधारी आत्मा हूं।
29. मैं आत्मा ब्रह्माण्ड में शिव बाबा के साथ कम्बाइंड हूं।
30. मैं नजरों से निहाल करने वाली विशेष आत्मा हूं।
31 मैं सर्व आत्माओं के दुःख, दर्द हरने वाली शिवशक्ति हूं।

ओम् शान्ति